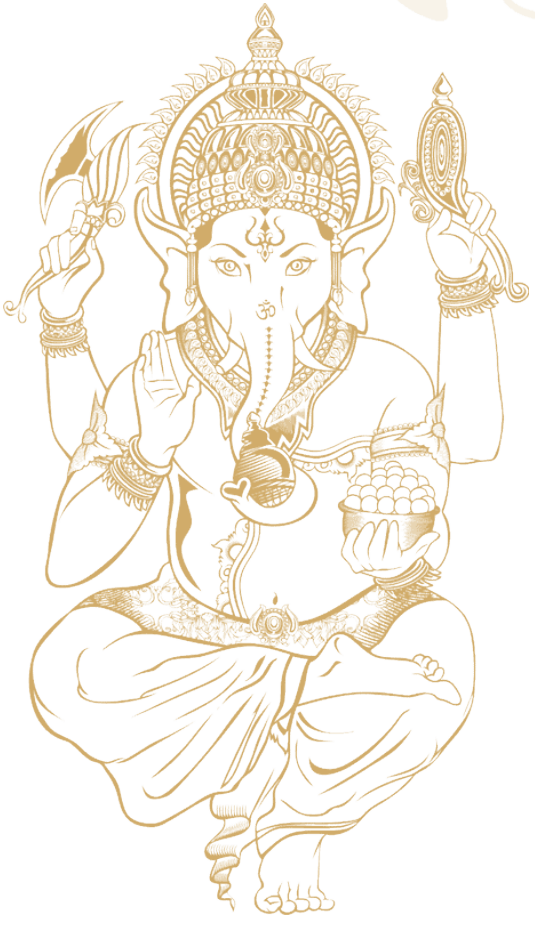

Rohit sharma

30 Apr 1987

12:00 PM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121286204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/04/1987**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:00:00 घंटे**
इष्ट	14:29:42 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:21:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:43 घंटे
साम्पातिक काल	01:52:02 घंटे
सूर्योदय	06:12:07 घंटे
सूर्यास्त	19:00:10 घंटे
दिनमान	12:48:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	15:43:07 मेष
लग्न के अंश	09:03:14 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ओ-ओमप्रकाश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:03:14	321:43:20	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मेष	15:43:07	00:58:18	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
चंद्र			वृष	11:22:52	12:22:07	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	22:39:35	00:39:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	सम राशि
बुध		अ	मेष	07:34:20	02:01:47	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			मीन	20:17:43	00:13:47	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मीन	15:29:27	01:12:27	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	26:45:54	00:02:46	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	17:36:32	00:04:41	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	17:36:32	00:04:41	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	02:41:54	00:01:24	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	14:12:51	00:00:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:52:58	00:01:42	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
दशम भाव			मेष	06:25:16	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:44

लग्न-चलित

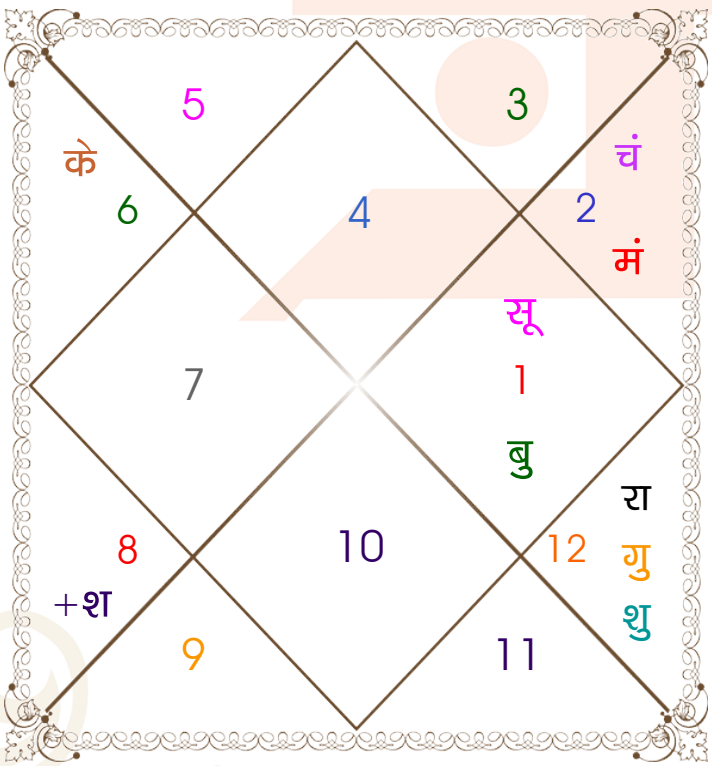

चन्द्र कुंडली

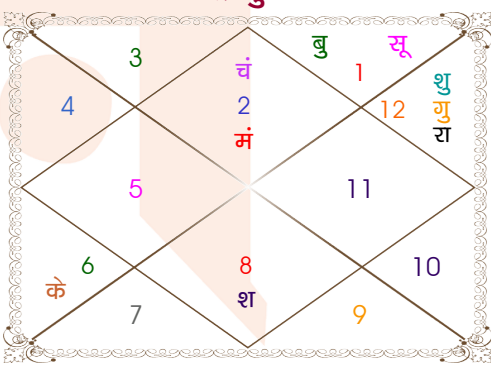

नवमांश कुंडली

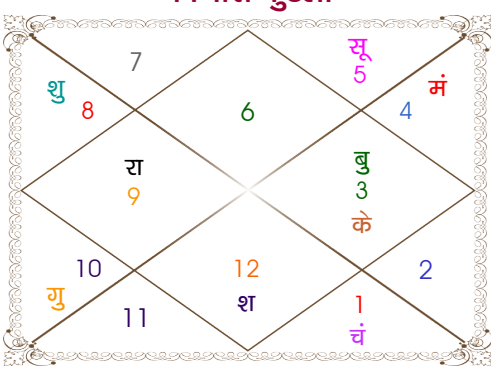

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 11 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/04/1987		16/04/1996		17/04/2003		16/04/2021		16/04/2037	
16/04/1996		17/04/2003		16/04/2021		16/04/2037		16/04/2056	
	30/04/1987	मंगल	12/09/1996	राहु	28/12/2005	गुरु	05/06/2023	शनि	19/04/2040
मंगल	16/09/1987	राहु	01/10/1997	गुरु	23/05/2008	शनि	16/12/2025	बुध	28/12/2042
राहु	17/03/1989	गुरु	07/09/1998	शनि	30/03/2011	बुध	23/03/2028	केतु	06/02/2044
गुरु	17/07/1990	शनि	17/10/1999	बुध	16/10/2013	केतु	27/02/2029	शुक्र	08/04/2047
शनि	15/02/1992	बुध	13/10/2000	केतु	04/11/2014	शुक्र	29/10/2031	सूर्य	20/03/2048
बुध	17/07/1993	केतु	11/03/2001	शुक्र	03/11/2017	सूर्य	16/08/2032	चंद्र	19/10/2049
केतु	15/02/1994	शुक्र	11/05/2002	सूर्य	28/09/2018	चंद्र	16/12/2033	मंगल	28/11/2050
शुक्र	17/10/1995	सूर्य	16/09/2002	चंद्र	29/03/2020	मंगल	22/11/2034	राहु	04/10/2053
सूर्य	16/04/1996	चंद्र	17/04/2003	मंगल	16/04/2021	राहु	16/04/2037	गुरु	16/04/2056

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/04/2056		16/04/2073		16/04/2080		17/04/2100		18/04/2106	
16/04/2073		16/04/2080		17/04/2100		18/04/2106		00/00/0000	
बुध	13/09/2058	केतु	13/09/2073	शुक्र	17/08/2083	सूर्य	05/08/2100	चंद्र	16/02/2107
केतु	10/09/2059	शुक्र	13/11/2074	सूर्य	16/08/2084	चंद्र	03/02/2101	मंगल	01/05/2107
शुक्र	11/07/2062	सूर्य	21/03/2075	चंद्र	17/04/2086	मंगल	11/06/2101		00/00/0000
सूर्य	17/05/2063	चंद्र	20/10/2075	मंगल	17/06/2087	राहु	06/05/2102		00/00/0000
चंद्र	16/10/2064	मंगल	17/03/2076	राहु	17/06/2090	गुरु	22/02/2103		00/00/0000
मंगल	13/10/2065	राहु	04/04/2077	गुरु	15/02/2093	शनि	04/02/2104		00/00/0000
राहु	01/05/2068	गुरु	11/03/2078	शनि	16/04/2096	बुध	11/12/2104		00/00/0000
गुरु	07/08/2070	शनि	20/04/2079	बुध	15/02/2099	केतु	17/04/2105		00/00/0000
शनि	16/04/2073	बुध	16/04/2080	केतु	17/04/2100	शुक्र	18/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 11 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।